

Editorial Board - Anthology : The Research
April- 2017
Executive Board

PATRON

Dr. M.D. Pathak
 Chairman, Centre for Research &
 Development of Waste & Marginal Land
Ex. Director General, U.P. Council of
 Agriculture Research, U.P.
Ex. Director, Research and Training,
 International Rice Research Institute,
 Manila, Philipines
 pathakmd1@gmail.com

EDITOR-IN-CHIEF

Dr. Asha Tripathi
Senior Vice-President,
 Social Research Foundation,
 Kanpur
 asha23346@gmail.com

EDITOR

Smt. Deepti Mishra
 Treasurer,
 S R F,Kanpur
 anthology.srf@gmail.com

MANAGING EDITOR

Dr. Rajeev Mishra
 Secretary,
 S R F,Kanpur
 indra.rajeev@gmail.com

CO- EDITOR

Dr. Nagratna Ganvir
 Government Shivnath
 Science College,
 Rajnandgaon, (C.G.)

EDITORIAL-ADVISORY BOARD**Political Science and
International Relation**

Prof. Vandana Asthana
 Eastern Washington University,
 Cheney, WA

Sociology and Social Anthropology

Dr. K. Bharathi
 Arba Minch University,
 Arba Minch,Ethiopia,
 North Africa

Library & Information Science

Dr. U. C. Shukla
 Fiji National University,
 Lautoka, Fiji

Sociology

Dr. Anita Tamboli
 Govt. Arts Girls College,
 Kota, Rajasthan, India
Dr. Rajesh Kumar Sharma
 Govt. P.G. College, Dholpur,
 Rajasthan, India

Music

Dr. Rajendra Maheshwari
 J.D.B Govt. Arts Girls College,
 Kota, Rajasthan, India
Roshan Bharti
 JDB Govt. Girls College,
 Kota, Rajasthan, India

Political Science

Dr. Vinod Bhardwaj
 Shri Agrasen Mahila P.G. College,
 Bharatpur, Rajasthan, India

सम्पादकीय.....

सुधी पाठको,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव-निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते— यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। लगभग 40 से 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे हैं तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

(डॉ० दीप्ति मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा० राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।

संपादक : श्रीमती दीप्ति मिश्रा, Mobile No. 9335332333, 9839074762

Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, **website:** www.socialresearchfoundation.com